

पञ्चाननं च वक्राकारगणानाम् अत्र लिखत इति कल्प
अनुपदिशत । पञ्चाननं वाक्ते अत्राक्षी पञ्चान
देवाः आनन्दा दिनांक 9/11/22 को प्रेशही

4

9/11/22. पञ्चाननी प्रेश । शार्थी आधिवक्ता इण्डियन शार्थी

आधिवक्ता को एक वर्षीय बहस सुनी जर्दी. पञ्चाननी
रचिकर योग्य होने से रचिकर को जाती है। दिनांक
31.12.21 को आर्षी अन्तरीम स्थान आदेश को तार्किकर
वर्षा जाकर पञ्चाननी निर्गौर की जाती है।

पञ्चाननी केवल शुभर हेमर दर्शनकर
सें क्रम को जाकर दाखिल दफतर ही

राज्यपालक के लिये
(S. D. O.)



3. रायमल पुत्र च
सिरही ।

4. कपासम पुत्र
सिरही ।

5. लक्ष्मी पुत्री
भैरुगढ त

6. रेखा पुत्री
वरमाण

7. शंकर
जिला

8. हंजा
आव

9. वर्षी
हा

10. ह
हा

11. ह
हा